वाट्सऐप @ 94140-78380, 92140-78380 | वर्ष :4 अंक : 192 | शुक्रवार 8 नवम्बर 2024 | दैनिक ई-पेपर

शाबाश इंडिया

@ShabaasIndia | प्लॉट नंबर 8, ओझा जी का बाग, गांधी नगर मोड, टोंक रोड, जयपुर

राज्यपाल बागडे ने 'इनोफेस्ट इंडिया 2024' का शुभारंभ किया

युवाओं में नए विचारों और सफलता के लिए जरूरी संसाधनों की समझ की दृष्टि से महत्वपूर्ण है-'इनोफेस्ट इंडिया'

उद्यमशीलता को बढ़ावा देने के लिए देश में मजबूत माहौल तैयार हो: राज्यपाल

जयपुर. कासं

राज्यपाल हरिभाऊ बागडे ने कहा है कि उद्यमशीलता को बढ़ावा देने के लिए देश में एक मजबूत माहौल तैयार किया जाए। इसके अंतर्गत युवाओं में नए विचारों और सफलता के लिए जरूरी संसाधनों की समझ विकसित करनी होगी। उन्होंने कहा कि इस दृष्टि से 'इनोफेस्ट इंडिया' जैसे आयोजन महत्वपूर्ण हैं। बागडे गुरूवार को पोद्दार ग्रुप आफ इन्स्टीट्यूशन तथा फेडरेशन ऑफ यूनिकॉर्न स्टार्ट अप्स एंड इंडस्ट्री द्वारा आयोजित 'इनोफेस्ट इंडिया 2024' में संबोधित कर रहे थे। उन्होने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश में 'विकसित भारत 2047' की कल्पना संजोई गई है। इसकी सफलता मानव शक्ति के सुनियोजित उपयोग के साथ राष्ट्र में युवाओं द्वारा नए–नए स्टार्ट अप, उद्यमिता विकास के कार्य अधिकाधिक करने से ही संभव होगी। उन्होंने कहा कि भारत आने वाले समय में पांच ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनने जा रहा है। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष ने वर्ष 2027-28 तक भारत के पांच ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनने के साथ तीसरी सबसे बड़ी जी.डी.पी. होने का अनुमान व्यक्त किया है। राज्यपाल ने कहा कि स्टार्ट-अप्स आज के आर्थिक परिदृश्य में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। इनसे न केवल रोजगार का सृजन होता है बल्कि नये विचारों और प्रौद्योगिकीय नवाचारों के माध्यम से समाज विकास की ओर अग्रसर होता है। उन्होंने कहा कि देश आजाद होने के बाद देश में अनाज की कमी थी परंतु भारत में खाद्य आत्मनिर्भरता के लिए निरंतर प्रयास हुए। आज देश अनाज का सबसे बड़ा निर्यातक है। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार के प्रयासों से देश में सड़क, स्वास्थ्य, शिक्षा, कृषि, तकनीकी विकास के महती कार्य हुए हैं। उन्होंने बाड़मेर के गांवों में नर्मदा के पानी लाए जाने की चर्चा करते हुए कहा कि विकास में युवा सहभागी बने। उन्होंने प्राचीन भारत के ज्ञान-विज्ञान की चर्चा करते हुए कहा कि नालंदा देश का ऐसा विश्वविद्यालय था जहां विश्वभर से विद्यार्थी पढ़ने आते थे। इस ज्ञान को समाप्त करने के लिए वहां के पुस्तकालय को आग लगा दी गई। उन्होंने आर्यभट्ट, नागार्जुन की चर्चा करते हुए कहा कि दशमलव की खोज भारत की है। नागार्जुन महान रस शास्त्री हुए। इनसे प्रेरणा लेते हुए युवा देश को आगे बढाएं। राज्यपाल ने कहा कि नई सोच, नये विचार और नयी ऊर्जा के साथ आगे बढ़ते हुए, हमारे युवा उद्यमी देश की प्रगति में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएं। उन्होंने गांव और शहर का भेद मिटाते हुए देश में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, कौशल प्रशिक्षण और उद्यमिता के विकास के लिए कार्य करने पर जोर दिया। इससे पहले पोद्दार ग्रुप आफ इन्स्टीट्यूशन के आंनद पोद्दार ने 'इनोफेस्ट इंडिया 2024' के महत्व पर विस्तार से प्रकाश डाला।

मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा के सानिध्य में माइंस विभाग के प्री समिट में होंगे 60 हजार करोड़ रुपए से अधिक के निवेश प्रस्ताव हस्ताक्षरित

मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा के मुख्य आतिथ्य में शुक्रवार को प्रातः 10.30 बजे से माइंस एवं पेट्रोलियम विभाग का राइजिंग राजस्थान प्री समिट जयपुर के होटल ललित में आयोजित किया गया है। प्री समिट में मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा के सानिध्य में माइनिंग एवं पेट्रोलियम सेक्टर के 60 हजार करोड़ से एमओयू प्रस्तावों पर हस्ताक्षर होंगे। प्री समिट की अध्यक्षता उद्योग एवं वाणिज्य मंत्री राज्यवर्द्धन सिंह राठौड़ करेंगे। माइंस एवं पेट्रोलियम विभाग के प्रमुख शासन सचिव टी. रविकान्त ने बताया कि मुख्यमंत्री जो स्वयं माइंस मंत्री भी है के नेतृत्व में प्रदेश में पहली बार माइनिंग व पेट्रोलियम सेक्टर में प्री समिट में होने वाले निवेश एमओयू सहित एक लाख 38 हजार करोड़ से भी अधिक के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए हैं। राइजिंग राजस्थान ग्लोबल इंवेस्टमेंट समिट के तहत विभाग के प्री समिट से पहले रोड़ शो व अन्य आयोजनों में माइनिंग व पेट्रोलियम सेक्टर में निवेश के 77 हजार 721 करोड़ रुपए के एमओयू हस्ताक्षरित हो चुके हैं। शुक्रवार को आयोजित प्री समिट में माइनिंग सेक्टर के 41 हजार करोड़ रुपए से अधिक के निवेश और पेट्रोलियम सेक्टर के 19 हजार करोड़ से अधिक के निवेश प्रस्तावों पर राज्य सरकार व निवेशकों के बीच हस्ताक्षर और एमओयू का आदान–प्रदान होगा। टी. रविकान्त ने बताया कि मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा ने प्रदेश के माइनिंग सेक्टर को देश का अग्रणी सेक्टर बनाने के लिए खनिज खोज में तेजी लाने और खनिज ब्लॉक्स तैयार कर नीलामी पर जोर रहा है। प्रदेश में माइनिंग सेक्टर में शोध व अनुसंधान, तकनीकी सहयोग व कौशल विकास को बढ़ावा देने के लिए इस अवसर पर ऑयल इण्डिया और आईआईटी मद्रास के साथ एमओयू किये जा रहे हैं।

रोटरी क्लब ने मनाया दीपावली स्नेह मिलन

रोहित जैन. शाबाश इंडिया

नसीराबाद। रोटरी क्लब की स्थानीय शाखा की ओर से बुधवार की रात गांधी चौक स्थित रामचंद्र धर्मशाला में दीपावली स्नेह मिलन का आयोजन किया गया। जिसमें गरबा व अन्य सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए गए। कार्यक्रम में क्लब की सभी महिलाओं एवं पुरुषों ने उत्साह से भाग लिया। इस अवसर पर क्लब अध्यक्ष मुकेश मित्तल, असिस्टेंट गवर्नर अमित तापड़िया, सेक्रेटरी हिमांशु गर्ग सहित क्लब सदस्य हेमंत बाकलीवाल, जितेश अग्रवाल, भीकम मुणोत, नवनीत राठी, विजय मेहरा, नंदकिशोर गर्ग, राजेश बाबानी, राजेश गर्ग, राजेश गोयल, प्रदीप सिंगल, गुलशन, मनीष महेश्वरी, भागचंद महेश्वरी, विनोद अजमेरा, अरुण अजमेरा, अरुण जैन, कपिल राठी, रोहित राठी, नीतिश जैन, दयाल मीरचंदानी, चंद्रशेखर गढ़वाल, शुभम गोयल, भरत अग्रवाल, आदि उपस्थित थे।

शास्त्रि-परिषद द्वारा प्रो. ऋषभचंद्र फौजदार का अभिनंदन ग्रंथ प्रकाशित किया जाएगा

आचार्य श्री सुनीलसागर जी के सान्निध्य में हुई घोषणा

किशनगढ़, राजस्थान. शाबाश इंडिया। प्राकृतविद्या एवं जैनदर्शन के मूर्धन्य मनीषी प्रोफेसर ऋषभचंद्र जैन अधिष्ठाता मानविकी एवं कला संकाय एकलव्य विश्वविद्यालय दमोह द्वारा दिए गए उल्लेखनीय अवदान के लिए उनका अभिनंदन ग्रंथ प्रकाशित कर भव्य अभिनंदन करने का निर्णय अखिल भारतवर्षीय दिगम्बर जैन शास्त्रि-परिषद ने लिया है, इसका निर्णय जयपुर में सम्पन्न कार्यकारणी की बैठक में सर्व सम्मति से लिया गया। किशनगढ़ राजस्थान में परम पूज्य आचार्य श्री सुनीलसागर जी महाराज को श्रीफल भेंटकर आशीर्वाद प्राप्त किया। इस मौके पर प्रोफेसर ऋषभचंद्र जैन दमोह ने अचार्यश्री को श्रीफल भेंट कर आशीर्वाद प्राप्त किया वहीं परिषद के अध्यक्ष डॉ श्रेयांस कुमार जैन बड़ौत, उपाध्यक्ष डॉ नरेन्द्र कुमार जैन टीकमगढ़, पंडित विनोद कुमार जैन रजवांस, पंडित जयंत जैन सीकर, प्रचारमंत्री डॉ. सुनील जैन संचय ललितपुर आदि ने भी अचार्यश्री को श्रीफल समर्पित कर आशीर्वाद प्राप्त किया।

गणेशीलालजी म. ने तप, साधना के प्रभाव से अनेकों को धर्म से जोड़ाः युवाचार्य महेंद्र ऋषि जी म.

एएमकेएम में गणेशीलालजी महाराज की 145वीं जन्म जयंती मनाई

चैन्नई. शाबाश इंडिया

श्री वर्धमान स्थानकवासी जैन महासंघ तमिलनाडु के तत्वावधान एवं श्रमण संघीय युवाचार्य महेंद्र ऋषिजी के सान्निध्य में गुरुवार को कर्नाटक गजकेसरी गणेशीलालजी महाराज की 145वीं जन्म जयंती एकाशन व दया दिवस के रूप में मनाई गई। इस मौके पर युवाचार्य प्रवर ने कहा कि महापुरुष अपने आप में, अपनी साधना और सामर्थ्य से प्रत्येक भव्य जीवों का आलंबन बनते हैं। आज कर्नाटक गजकेसरी, घोर तपस्वी के जन्म दिवस का अवसर है। एक ऐसा बालक जो बिलाड़ा के ललवानी परिवार में जन्मा, जिसे जन्म के पश्चात ही संसार के उन थपेड़ों का सामना करना पड़ा जिन्हें आप भी महसूस करते हैं। जो उपेक्षा का दुःख होता है, उसे उसने झेला। उन्होंने कहा आप जहां हो, वहां कितनी निष्ठा से जुड़े हो, वह मायने रखता है। वे हमेशा कार्य के प्रति निष्ठावान थे। विवाह का प्रस्ताव भी आया। जो-जो चीज जीवन में महत्वपूर्ण है, उसे बढ़ाने का प्रयास रहता ही है लेकिन उन्होंने सामने से इंकार कर दिया। उन्होंने अपने स्वाभिमान, उसूलों के साथ समझौता नहीं किया। वे साधना की ओर आकर्षित हुए। वे गुरु के संपर्क में आए और दीक्षा ग्रहण की। जहां वे बंधन के बंधन में बंधने वाले थे, वहीं मुक्ति का मार्ग मिला। यह एक अभूतपूर्व संयोग था कि आनंद ऋषिजी महाराज व गणेशलालजी महाराज की दीक्षा एक ही दिन हुई। वे श्रमण संघ में सूरज और चांद की उपमा से जाने जाते थे। उन्होंने कहा गणेशीलालजी महाराज घोर तपस्वी थे। वे साधना में एकांकी रहे। दीक्षित होने के बाद एकांतर तप शुरू कर दिया और अंत तक करते रहे। उनमें भीतर में रही हुई करुणा भरी हुई थी, चाहे वह गायों के लिए हो या साधर्मिक के लिए। उनके भीतर की दया अद्भुत थी। वे राजस्थान, महाराष्ट्र, कर्नाटक आदि दक्षिण क्षेत्रों में ऐसे दीप स्तंभ थे कि उन्होंने जैनत्व का साहस भरा। उनकी वाणी में प्रभाव था कि उन्होंने जैनत्व की सही पहचान कराई। आज आपको कट्टरता को अपनाने के लिए कई महापुरुष मिल जाएंगे। अपनी श्रेष्ठता साबित करने के लिए दूसरों पर अंगुली उठानी पड़ती है। ऐसी मानसिकता उनके विषय नहीं थे। उन्होंने कहा वे तप और स्वाध्याय के प्रबल प्रेरक थे। उन्होंने जैनत्व की ज्योति प्रकट की। वे आचार्य नहीं बने लेकिन उनका व्यक्तित्व उच्च कोटि का था कि उन्होंने अपनी साधना, तप के प्रभाव से अनेकों को पंथ से नहीं, धर्म, सत्य से जोड़ा। उनकी महानता उनके आचरण, तप, साधना से झलकती थी। वे इतने तेजस्वी, प्रखर थे कि छोटी मोटी बीमारी ऐसे ही खत्म हो जाती थी। जहां साफ, शुद्ध मन नहीं हो, वहां आचरण में कमी आती है लेकिन लोगों के मन में उनके प्रति आस्था, श्रद्धा कूट कूट कर भरी थी। महापुरुष वे है जो हर पल याद आते हैं। आज उनकी जयंती पर संकल्प करना है कि हम धर्म के प्रति आस्था बढ़ाएं। हमारा कर्तव्य है कि उनकी सत्य की विरासत को आगे बढ़ाएं। जीवन में तप से हर प्रकार की तकलीफें दूर होती है, उससे हम जुड़ें। उन्होंने सादगी का संदेश दिया। वह हमें हमारे जीवन में धारण करनी है। आप उस महापुरुष के प्रति श्रद्धा रखते हुए उनके सूत्रों को अपनाएं। इस अवसर पर वर्धमान स्थानकवासी जैन महिला महासंघ तमिलनाडु की सदस्याओं ने एक सुर में भाव भरी गीतिका प्रस्तुत की। महासंघ के मंत्री धमीचंद सिंघवी ने कहा कि आज हम गणेशीलालजी महाराज की जन्म जयंती मना रहे हैं। वे सादगी, विनय, करुणा, दया की प्रतिमूर्ति थे। जीवदया उनका प्रमुख लक्ष्य था। उन्होंने महासंघ के अध्यक्ष सुरेश लुनावत के नेतृत्व में जीवदया के तहत एकत्रित राशि को विभिन्न गौशालाओं को अनुदान देने की घोषणा की। उन्होंने कहा हमारी कोशिश रहेगी कि सभी गौशालाओं को राशि पहुंचे। उन्होंने बताया कि शनिवार प्रातः नेचुरोपैथी पर एक कार्यशाला आयोजित की जाएगी। इस दौरान मुम्बई से मेवाड़ युवा संघ के भगवती लाल कोठीफोड़ा ,नरेश लोढ़ा आदि ने दीक्षा कार्यक्रम व होली चातुर्मास मे युवाचार्य श्री को पधारने की विनंती की। इसके अलावा अहमदनगर (अहिल्यानगर), सूरत, बैंगलुरू, रायपुर, चाकण, पूना, जामनेर आदि क्षेत्रों से गुरुभक्तगण युवाचार्यश्री के दर्शनार्थ व वंदनार्थ पहुंचे। सभा का संचालन राकेश विनायका ने किया

-प्रवक्ता सुनिल चपलोत

मार्निंग वॉक क्लब महावीर नगर ने मनाया दिवाली मिलन

जयपुर. शाबाश इंडिया। मोर्निंग वॉक क्लब महावीर नगर के तत्वावधान में दिवाली मिलन समारोह महावीर नगर में धूमधाम से मनाया गया। इस मौके पर क्लब दम्पतियों ने मुंह मीठा कराकर एक-दूसरे को दिवाली की शुभकामनाएं दी। क्लब के सुरेन्द्र जैन पांडया ने बताया कि दिवाली मिलन में न्यायमूर्ति जस्टिस एन.के. जैन, दिगंबर जैन महासमिति के राष्ट्रीय महामंत्री सुरेंद्र कुमार जैन पांडया , पूर्व आईपीएस अनिल कमल जैन, श्री दि.जैन मंदिर महावीर नगर के महामंत्री सुनील बज, सुरेन्द्र शाह सपत्नीक व शैल बंसल उपस्थित रहे। इस मौके पर पवन- पिंकी काला ने सभी का आतिथ्य सत्कार किया। इस अवसर पर सभी ने एक दसरे से दीपावली की शुभकामना दी

अर्हं योग प्रणेता मुनि प्रणम्य सागर महाराज के सानिध्य में चल रहा पार्श्व कथा का संगीतमय वाचन

शुक्रवार को आदिनाथ भवन पर होगा पारस पुराण का वाचन

भगवान के वचनों के प्रति अनुराग उत्पन्न होना ही प्रवचन भक्ति है : मुनि प्रणम्य सागर

जयपुर. शाबाश इंडिया

संत शिरोमणि आचार्य विद्यासागर महामुनिराज के परम प्रभावक शिष्य अर्हं ध्यान योग प्रणेता मुनि प्रणम्य सागर महाराज ने मानसरोवर स्थित मीरामार्ग के आदिनाथ भवन पर पारस पुराण के चल रहे वाचन में आनंद मुनिराज द्वारा सोलह कारण भावनाओं के प्रसंग में गुरुवार को प्रवचन भक्ति भावना पर अपनी देशना देते हुए कहा कि जिनेंद्र भगवान के मुख से निकली हुई दिव्यध्वनि को गणधर परमेष्ठी ने ग्रंथों में उतारा है। मुनि महाराज उसे अवधारित करके बोलते हैं। यह सभी प्रवचन में आते हैं। चारों अनुयोगों में आए हुए तथ्यों को समाहित करना प्रवचन है । वक्ता की प्रमाणिकता वचनों की प्रमाणिकता से होती है।उसके वचन सही तो वक्त सही है।मुनि श्री ने आगे बताया कि भगवान चमत्कार का नाम नहीं वह तो अनंत ज्ञान का पिंड है जो ज्ञाता दृष्टा है।जो सर्वज्ञ एवं वीतरागी है।न उन्हें किसी से राग है, न किसी से द्वेष। प्रवचन भक्ति को बताते हुए कहा भगवान के वचनों के प्रति अनुराग उत्पन्न होना ही प्रवचन भक्ति है।गुणों में अनुराग आता है तभी भक्ति होती है।इससे पूर्व विजय-माया, राशि झांझरी परिवार ने धर्म सभा में चित्र अनावरण, दीप प्रज्जवलन, शास्त्र भेट एवं पाद पक्षालन का सौभाग्य प्राप्त किया। आदिनाथ दिगम्बर जैन समिति मीरा मार्ग के अध्यक्ष सुशील पहाड़िया एवं मंत्री राजेन्द्र सेठी, वरिष्ठ उपाध्यक्ष सुनील बैनाडा, उपाध्यक्ष तेज करण चौधरी, कोषाध्यक्ष लोकेन्द्र जैन,संयुक्त मंत्री सीए मनोज जैन, संगठन मंत्री अशोक सेठी, सांस्कृतिक मंत्री जम्बू सोगानी, एडवोकेट राजेश काला, अरुण श्रीमाल, अशोक छाबड़ा, अरुण पाटोदी, विजय झांझरी आदि ने अतिथियों का स्वागत किया। श्री आदिनाथ दिगंबर जैन समिति मीरा मार्ग के अध्यक्ष सुशील पहाड़िया एवं मंत्री राजेन्द्र सेठी के मुताबिक शुक्रवार 8 नवम्बर को प्रातः 8.15 बजे मीरा मार्ग के आदिनाथ भवन पर मुनि प्रणम्य सागर महाराज के मंगल प्रवचन होगें जिसमें पारस पुराण का वाचन होगा।

-विनोद जैन कोटखावदा

वेद ज्ञान

लक्ष्य की प्राप्ति के मार्ग में बाधाओं का आना अवश्यंभावी

जीवन में किसी भी लक्ष्य की प्राप्ति के मार्ग में बाधाओं का आना अवश्यंभावी है। एक समय ऐसा आता है, जब लगता है कि लक्ष्य अप्राप्य है, नहीं प्राप्त हो सकता। ऐसे समय में व्यक्ति निराशा के गहन अंधकार की ओर बढ़ने लगता है। ऐसा लगने लगता है कि संगी, साथी, मित्र, दोस्त, परिवार, समाज सभी उलाहना दे रहे हैं। व्यक्ति को सांत्वना का एक स्वर तक नहीं सुनाई देता। निराशा की इस घड़ी को साहस के साथ जो पार कर जाता है, जो संबंधियों और समाज की उलाहना और उपेक्षा पर ध्यान दिए बिना आगे बढ़ता जाता है, घोर अंधकार के समय भी जिसके चिंतन में उसका लक्ष्य प्रकाशित होता रहता है, वह विजयी होता है। लक्ष्य प्राप्त करता है। अब भला विजयी की उपेक्षा कौन कर सकता है? अतः ऐसे व्यक्ति को जिसने अपना लक्ष्य प्राप्त कर लिया है, समाज प्रशंसा की दृष्टि से देखता है, परिवार सत्कार करता है और मित्र स्नेह की वर्षा करते हैं। यदि हम किसी व्यक्ति को अपना आदर्श और प्रेरणास्रोत नहीं मान सकते तो कम से कम प्रकृति को ही वह शक्ति मानें। प्रकृति हमें सदा संबल देती है। हम पीपल से प्रेरणा और गति ग्रहण कर सकते हैं। हमें उस पीपल की तरह बनना है जो एक सूक्ष्म बीज से इतना बड़ा आकार लेता है। वह केवल आकार ही नहीं लेता, अपितु वह बीज जहां भी, जिस भी अवस्था में रहता है, जल-वायु ग्रहण कर वहीं आकार लेने लगता है। यदि भूमि पर न हो, किसी भवन अथवा वृक्ष पर भी हो तो भी वह उगता है, बढ़ता है, अपनी जड़ों को भूमि तक पहुंचाता है, भूमि में विस्तृत आधार बनाता है और स्वयं विराट अस्तित्व ग्रहण करता है। उसे किसी के सिंचन और देखभाल की आवश्यकता नहीं होती। वह स्वावलंबी होकर असंख्य जीवों का आश्रय बनता है। यही नहीं यदि कोई भयंकर चक्रवात उसे गिराने का प्रयास करे तो भी वह नहीं उखड़ता। यदि कभी उसकी जड़ें उखड़ भी जाएं तो भी शेष जड़ें भूमि को जकड़े रहती हैं और धराशायी होकर भी वह हरा-भरा बना रहता है। प्रत्येक पतझड़ में पत्तियां गिराता है और वसंत में ताम्रवर्णी नव-पल्लवों से सुशोभित होता है। यह है पीपल की जीविषा।

संपादकीय

वैश्विक परिदृश्य में होंगे बदलाव...

अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव में डोनाल्ड ट्रंप ने एक बार फिर बाजी अपने नाम कर ली है। उन्होंने बहुमत के जरूरी आंकड़े से कहीं अधिक मत हासिल कर लिए हैं। सर्वेक्षणों में नतीजे डेमोक्रेटिक उम्मीदवार और उपराष्ट्रपति कमला हैरिस के पक्ष में जाते दिख रहे थे। मगर मतदान के आखिरी दिन कांटे की टक्कर नजर आने लगी। ट्रंप को उन सात राज्यों में भी बढ़त हासिल हुई, जो पलटी मारने वाले राज्य यानी 'स्विंग स्टेट' माने जाते हैं। हालांकि ये

नतीजे हैरान करने वाले नहीं हैं। डेमोक्रेटिक पार्टी उसी वक्त कमजोर पड़ने लगी थी, जब ट्रंप के आक्रामक चुनाव प्रचार के सामने राष्ट्रपति जो बाइडेन अपनी अस्वस्थता के चलते शिथिल नजर आने लगे थे। उसके बाद कमला हैरिस को उम्मीदवार बनाया गया। मगर पार्टी के भीतर ही उथल-पुथल शुरू हो गई थी। इस तरह कमला हैरिस को समय कम मिल पाया। हालांकि उन्होंने डोनाल्ड ट्रंप को कड़ी टक्कर दी और महिला मतदाताओं को लुभाने में कामयाब भी रहीं। मगर ट्रंप ने कमजोर अर्थव्यवस्था, महंगाई और अवैध प्रवासियों के मुद्दे पर बाइडेन सरकार पर निशाना साधा, और उसका असर वहां के मतदाताओं पर पड़ा। हालांकि इन मसलों पर ट्रंप ने अपने पिछले कार्यकाल में भी बहुत आक्रामक ढंग से काम किया था। उसी का प्रभाव था कि इस बार के चुनाव प्रचार में वहां के कई बड़े उद्योगपति भी उनके साथ मंच पर उतरे थे। अमेरिका की अर्थव्यवस्था हालांकि अब भी बहुत खराब नहीं है, मगर पहले की तुलना में उसकी रफ्तार धीमी जरूर पड़ गई है। उस पर मंदी की मार है। महंगाई अब तक के पचास वर्षों में सबसे ऊपर पहुंच गई है। रोजगार के अवसर सिकुड़ रहे हैं। ऐसे में ट्रंप ने वादा किया कि वे एक करोड़ अवैध प्रवासियों को देश से निकाल बाहर करेंगे, उन पर करोड़ों डालर खर्च हो रहा है, तो वहां के युवाओं में नए अवसर की उम्मीद जगी। पिछले कार्यकाल में भी उन्हें युवाओं का भरपूर समर्थन हासिल था। इसमें कोई दो राय नहीं कि ट्रंप आक्रामक ढंग से प्रशासन चलाने में विश्वास करते हैं और आर्थिक नीति तथा विदेश नीति को लेकर उनका रुख स्पष्ट है। वे रूस-यूक्रेन संघर्ष को लेकर पहले ही घोषणा कर चुके हैं कि उसे रुकवा देंगे। इस तरह उन पर लोगों का भरोसा बना हुआ है। हालांकि चुनाव प्रचार के दौरान उन्होंने जिस तरह कई बार राजनीतिक और लोकतांत्रिक मर्यादाएं तोड़ीं, उसकी भरपाई वे कभी नहीं कर पाएंगे। डोनाल्ड ट्रंप के सामने जो आर्थिक चुनौतियां हैं, उनसे तो शायद वे पार पा लें, मगर विदेश नीति को लेकर उन्हें सदा संदेह की नजर से देखा जाता रहा है। चीन के प्रति उनका रुख बहुत सख्त है। इस वक्त दुनिया में जिस तरह के समीकरण हैं, उसमें वैश्विक दक्षिण की अहमियत बढ़ी है। भारत के साथ अमेरिका के रिश्तों में कोई तनाव नहीं है, मगर चीन और रूस के साथ अमेरिकी रिश्ते तल्ख होंगे तो भारत के साथ भी समीकरण गड़बड़ होने का खतरा हो सकता है। सबसे अहम बात कि अगर ट्रंप आव्रजन नीति में बदलाव करते हैं, तो वहां रह रहे भारतीय नागरिकों पर भी प्रतिकूल प्रभाव पड़ेगा। **-राकेश जैन गोदिका**

परिदृश्य

ट्रंप की वापसी

अंततः अमेरिकी जनता ने रिपब्लिकन पार्टी के प्रत्याशी एवं पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को फिर से राष्ट्रपति बनाना पसंद किया। ट्रंप ने आसानी से जीत हासिल कर एक नया इतिहास बनाया। वह लंबे समय बाद दूसरे ऐसे राष्ट्रपति बने, जिन्होंने एक बार चुनाव हारने के बाद जीत हासिल की। इतिहास रचने का अवसर डेमोक्रेटिक पार्टी की उम्मीदवार एवं उपराष्ट्रपति कमला हैरिस के पास भी था। वह अमेरिका की पहली महिला राष्ट्रपति बन सकती थीं, लेकिन हिलेरी क्लिंटन की तरह वह भी नाकाम रहीं। हिलेरी को भी ट्रंप ने हराया था और कमला हैरिस को भी। यह साफ है कि राष्ट्रपति जो बाइडन की विरासत उन पर भारी पड़ी। यदि बाइडन कमजोर राष्ट्रपति साबित नहीं हुए होते और उन्होंने अर्थव्यवस्था को संभालने के साथ वैश्विक समस्याओं और विशेष रूप से यूक्रेन एवं गाजा युद्ध में निर्णायक भूमिका निभाई होती तो शायद कमला हैरिस की राह आसान होती। कमला हैरिस को इसका भी नुकसान उठाना पड़ा कि डेमोक्रेटिक पार्टी ने शरणार्थियों और अवैध रूप से आए लोगों के प्रति उदार रवैया अपना रखा था। भारत एवं अफ्रीकी मूल की महिला होने के नाते वह महिलाओं और साथ ही विदेशी मूल के

नागरिकों को उतना आकर्षित नहीं कर पाईं, जितना मानकर चला जा रहा था। यह भी उनकी पराजय का कारण बना। इस नतीजे पर पहुंचने के पर्याप्त कारण हैं कि वह अमेरिकी जनता की उस तरह नब्ज नहीं पकड़ सकीं, जैसी ट्रंप ने पकड़ी। ट्रंप एक मजबूत नेता की अपनी छवि उभारने, अमेरिका के साथ दुनिया की समस्याओं के समाधान में सक्षम साबित होने का संदेश देने के साथ यह भरोसा दिलाने में भी समर्थ रहे कि वह महंगाई से जूझती अर्थव्यवस्था को पटरी पर लाने की सामर्थ्य रखते हैं। इसमें उनकी व्यापारी वाली छवि भी सहायक बनी। चूंकि रिपब्लिकन पार्टी का अमेरिकी संसद के दोनों सदनों में बहुमत होगा, इसलिए यह तय है कि ट्रंप अपने मनमाफिक खुलकर काम करेंगे, लेकिन इसकी अनदेखी नहीं की जा सकती कि वह अप्रत्याशित फैसले करने वाले बड़बोले नेता हैं। वह किस मसले पर कब क्या कह और कर दें, इसका ठिकाना नहीं। वह जलवायु परिवर्तन को समस्या नहीं मानते और अमेरिका के आर्थिक हितों के आगे वैश्विक हितों की परवाह नहीं करते। वैसे उनके पहले कार्यकाल में विश्व अपेक्षाकृत स्थिर था और इसमें उनका भी योगदान था। ट्रंप का राष्ट्रपति बनना भारतीय हितों के लिए अच्छा माना जा रहा है और इसके पीछे कुछ ठोस कारण हैं। पिछले कार्यकाल में वह भारत के मित्र के रूप में उभरे थे, लेकिन इस सच्चाई से भी मुंह नहीं मोड़ा जा सकता कि वह भारत की उच्च आयात शुल्क दर की शिकायत करते रहते हैं। उन्हें यह भी रास नहीं आता कि दोनों देशों के बीच व्यापार का पलड़ा भारत के पक्ष में झुका है। भारत को व्यापार नीति के साथ एच-वन बी वीजा पर उनके रवैये से भी सतर्क रहना होगा।

सुपार्श्वनाथ दिगम्बर जैन मंदिर में मानस्तम्भ महामस्तकाभिषेक के दूसरे दिन में उमड़े श्रद्धालु

सुनील पाटनी. शाबाश इंडिया

भीलवाड़ा। राष्ट्रीय संत आचार्य सुन्दर सागर महाराज ससंघ के मंगल सानिध्य में भीलवाड़ा में पहली बार सुपार्श्वनाथ हाउसिंग बोर्ड के मंदिर मे स्थित एक मात्र मानस्तंभ में विराजित सुपार्श्वनाथ की दिव्य प्रतिमाओं पर महामस्तकाभिषेक महोत्सव का तीन दिवसीय मंगल अभिषेक के कार्यक्रम मैं आज दूसरे दिन उमड़े श्रद्धालु। यह कार्यक्रम शुक्रवार तक चलेगा। अध्यक्ष राकेश पाटनी ने बताया आचार्य सुंदर सागर महाराज एवं ससंघ के मंत्रों चारण द्वारा चार , स्वर्ण कलशों से राकेश हिमांशु पाटनी परिवार अनिल सिद्धार्थ बज बरदीचंद ,माणक चंद रतनलाल बडजात्या भागचंद विजय काला परिवार को सौभाग्य प्राप्त हुआ। मान स्तंभ में विराजित चारों भगवान की संगीतमय पूजा, शुक्रवार दोपहर 1:00 बजे से आचार्य श्री सुंदर सागर जी महाराज के सानिध्य में होगी। 8 नवम्बर शुक्रवार को प्रातः प्रवचन के समय वर्षायोग 2024 के बड़े मंगल कलशों का वितरण पाण्डाल में होगा। अन्य कलश 8 नवम्बर को प्रातः 10.15 बजे से दोपहर 1 बजे तक वितरण किये जायेगें। मीडिया प्रभारी भागचन्द पाटनी ने बताया कि 9 नवम्बर शनिवार को सुपार्श्वनाथ मंदिर का वार्षिक कलशाभिषेक एवं आचार्य सुन्दर सागर जी महाराज के 48वां अवतरण दिवस पर कार्यक्रम दोपहर 1.15 बजे से चलेगें एवं 10 नवम्बर रविवार को आचार्य श्री सुन्दरसागर जी महाराज ससंघ का पिच्छीका परिवर्तन के कार्यक्रम दोपहर 1.15 बजे से होंगे।

संघी जैन मंदिर सांगानेर में श्री सिद्धचक्र महामंडल विधान व विश्वशांति महायज्ञ आज से

जयपुर. शाबाश इंडिया। अष्टान्हिका पर्व के अवसर पर आचार्य विद्यासागर जी महाराज के परम प्रभावक शिष्य मुनिपुंगव श्री सुधासागर जी महाराज के आशिर्वाद व प्रेरणा से श्री दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र मंदिर संघीजी में श्री सिद्धचक्र महामंडल विधान व विश्वशांति महायज्ञ का शुभारंभ शुक्रवार को सुबह 8बजे से मंगलाष्टक,अभिषेक व शांतिधारा से होगा। आयोजन की सारी तैयारियां पूर्ण कर ली गई है। पुण्यार्जक परिवार रिखबचंद, सुरेन्द्र कुमार व नरेन्द्र पांडया ने बताया कि कार्यक्रम के पहले दिन शुक्रवार को सुबह 8बजे से मंगलाष्टक,अभिषेक व शांतिधारा के बाद घटयात्रा जुलूस निकलेगा। इसके बाद ध्वजारोहण, आचार्य निमंत्रण, मंडप शुद्धि,एवं प्रतिष्ठा, सकलीकरण,इन्द्र प्रतिष्ठा होगी। इसके बाद जाप्यानुष्ठान,पूजन विधान व सांम 7बजे संगीतमय, शास्त्र सभा व सांस्कृतिक कार्यक्रम होंगे। उन्होंने बताया कि 15नवम्बर तक चलने वाले इस विधान के दौरान 13नवम्बर को 48 दीपकों से भक्तामर स्तोत्र की संगीतमय महाअर्चना व 14नवम्बर को भजन संध्या का आयोजन किया जाएगा। अंतिम दिन 15नवम्बर को सुबह 8.30 बजे मंगलाष्टक, शांतिधारा,नित्य नियम पूजा व विष्वषांति महायज्ञ व विधान का समापन होगा। विधान की सारी क्रियाएं विधानाचार्य पंडित जितेन्द्र कुमार शास्त्री कोटा सम्पन्न करवाएंगे। इस दौरान संगीतमय विधान वॉइस ऑफ पिंकसिटी नरेन्द्र जैन एंड पार्टी भजनों की स्वर सरिता बिखेरेंगे।

दूजोद में चल रहे पांच दिवसीय ''श्री समवशरण महामण्डल विधान एवं मानस्तम्भ महामस्तकाभिषेक''आयोजन का भक्तिभाव से हुआ समापन

सीकर. शाबाश इंडिया। जिले के दूजोद ग्राम में स्थित श्री महावीर स्वामी दिगम्बर जैन मन्दिर में चल रहे पांच दिवसीय ''श्री समवशरण महामण्डल विधान एवं मानस्तम्भ महामस्तकाभिषेक'' का समापन गुरुवार को भक्तिभाव से किया गया। मीडिया प्रभारी विवेक पाटोदी ने बताया कि अंतिम दिन प्रातः अभिषेक पूजन शांतिधारा पश्चात विधान पूजन सहित विभिन्न धार्मिक व मांगलिक कार्यक्रम आयोजित किए गए। मानस्तंभ पर मस्तकाभिषेक पश्चात विश्व शांति महायज्ञ में हवन में पूर्णाहुति दी गई । आयोजन के अंत में श्री जी की शोभायात्रा निकाली गई, जिसका समापन मंदिर परिसर में हुआ। केसर रारा ने बताया कि पांच दिवसीय इस आयोजन में संगीतकार रामकुमार पार्टी भोपाल व नाट्य कलाकार तपोवन आर्ट ग्रुप दिल्ली थे। मंच संचालन ज्योति पाटोदी किशनगढ़ द्वारा किया गया।

श्री प्राज्ञ जैन महिला मंडल का दीपावली स्नेह मिलन संपन्न

सुनील पाटनी. शाबाश इंडिया

भीलवाड़ा। श्री प्राज्ञ जैन महिला मंडल ने प्राज्ञ भवन में मनाया। दीपावली स्नेह मिलन।अध्यक्ष मधु मैडतवाल ने बताया कि कार्यक्रम की अध्यक्षता मंडल की संरक्षिका सुनीता पिपाडा ने की कार्यक्रम की शुरूआत मंगलाचरण के माध्यम से सरिता सिंघवी व चंचल रांका ने की मंत्री मधु लोढ़ा ने बताया कि कार्यक्रम में कई प्रकार के फनी गेम्स खिलाए गए सभी बहनों ने भाग लिया। विजेताओं को पुरस्कृत किया गया इस अवसर पर रंगोली प्रतियोगिता भी रखी गई जिसमें अंजू भंडारी प्रथम स्पर्श डांगी द्वितीय व रेखा बुरड तृतीय स्थान प्राप्त किया। शुभ संदेश लिखने में ज्योति पोखरणा प्रथम व सीमा तातेड का द्वितीय स्थान रहा सरप्राइज गेम में प्रथम अलका चौधरी द्वितीय सुनीता बागचार व तृतीय स्थान कांता सांखला ने प्राप्त किया।कार्य अध्यक्ष मंजू पीपाड़ा ने बताया कि किरण सेठी व मधु लोढ़ा के द्वारा पुरातन दीपावली व नवीन दीपावली पर आधारित नाटिका प्रस्तुत की। कोषाध्यक्ष इंदिरा डांगी ने बताया कि कार्यक्रम की शुरूआत में लकी ड्रॉ दिए गए थे उसमें टॉप टेन निकाले गए और उन्हें सभी को पुरस्कार दिया गया।

बाल दिवस: बच्चों के उज्जवल भविष्य का उत्सव

बाल दिवस हर साल 14 नवंबर को मनाया जाता है, जो भारत के पहले प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू के जन्मदिवस पर बच्चों के प्रति उनके विशेष प्रेम और सरोकार को दशार्ने का एक आदर्श अवसर है। पंडित नेहरू, जिन्हें बच्चे प्रेमपूर्वक रचाचा नेहरूर के नाम से पुकारते थे, का मानना था कि बच्चे देश का भविष्य हैं और उनके विकास, सुरक्षा और खुशहाली में ही देश की प्रगति निहित है। बाल दिवस का उद्देश्य बच्चों की मासूमियत, उनकी शिक्षा और उनके अधिकारों के प्रति जागरूकता फैलाना है।

बाल दिवस का महत्व

बाल दिवस केवल एक उत्सव नहीं है, यह बच्चों के अधिकारों की रक्षा, उनकी शिक्षा और उनके अच्छे स्वास्थ्य पर ध्यान देने का एक अवसर भी है। बच्चों को न केवल प्यार और संरक्षण की आवश्यकता होती है, बल्कि उन्हें ऐसी परवरिश और शिक्षा भी चाहिए जो उन्हें एक मजबूत, आत्मनिर्भर और संवेदनशील नागरिक बना सके। यह दिन हमें याद दिलाता है कि बच्चों को सही मूल्य, अच्छी शिक्षा और एक सुरक्षित वातावरण प्रदान करना हमारी जिम्मेदारी है।

बच्चों की शिक्षा और अधिकार: बाल दिवस पर यह आवश्यक है कि हम बच्चों की शिक्षा पर ध्यान दें और उन्हें बेहतर भविष्य प्रदान करने के लिए प्रयासरत रहें। शिक्षा बच्चों का मूल अधिकार है, और प्रत्येक बच्चे को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा मिलनी चाहिए। इसके साथ ही, बाल मजदूरी और शोषण जैसी समस्याओं से बच्चों को बचाना भी हमारा कर्तव्य है। समाज को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि बच्चों का बचपन उनकी इच्छाओं, सपनों और आवश्यकताओं के अनुसार ही संवारा जाए।

बच्चों की खुशहाली और मानसिक विकास: बच्चों के विकास के लिए उनकी मानसिक खुशहाली भी महत्वपूर्ण है। खेलकूद, रचनात्मक गतिविधियां, कला और संगीत बच्चों की सोच और भावनाओं को विकसित करने में सहायक होते हैं। बाल दिवस पर विशेष आयोजनों में बच्चों को खेलकूद, कला और सांस्कृतिक गतिविधियों में भाग लेने का मौका मिलता है, जो उनके व्यक्तित्व निर्माण और आत्मविश्वास में वृद्धि करता है।

चाचा नेहरू और बच्चों का विशेष संबंध: चाचा नेहरू के अनुसार, बच्चे देश के भविष्य का बीज हैं, और इस बीज की सही देखभाल करने पर ही देश एक खुशहाल भविष्य की ओर बढ़ सकता है। नेहरू जी का मानना था कि बच्चों में वह शक्ति है, जो भविष्य को रोशन कर सकती है। बाल दिवस हमें इस सोच को साकार करने का अवसर देता है और बच्चों के प्रति हमारे कर्तव्यों की याद दिलाता है।

निष्कर्ष: बाल दिवस न केवल बच्चों के प्रति सम्मान और प्यार का प्रतीक है, बल्कि यह एक प्रेरणा है कि हम बच्चों के लिए बेहतर वातावरण का निर्माण करें। बच्चों के उज्जवल भविष्य के लिए शिक्षा, स्वास्थ्य और सुरक्षा पर ध्यान देकर हम उन्हें सशक्त बना सकते हैं। हमें यह संकल्प लेना चाहिए कि हर बच्चे को उसका अधिकार और एक खूबसूरत बचपन मिलेगा, ताकि वह अपने सपनों को साकार कर सके और एक आदर्श समाज की नींव रख सके। बाल दिवस पर सभी बच्चों को ढेरों शुभकामनाएं, और यह उम्मीद कि उनका भविष्य उज्जवल और सुखमय हो!

अनिल माथुर,
जोधपुर (राजस्थान)

जैन धर्म के बाईसवें तीर्थकर नेमीनाथ भगवान का मनाया गर्भकल्याणक महोत्सव हर्षोल्लास पूर्वक

फागी. शाबाश इंडिया। कस्बे सहित परिक्षेत्र के चकवाडा, चौरू, नारेडा, मंडावरी, मेहंदवास, निमेडा, लसाडिया एवं लदाना सहित कस्बे के आदिनाथ मंदिर, बीचला मंदिर,मुनि सुव्रतनाथ दिगम्बर जैन मंदिर, पार्श्वनाथ दिगंबर जैन मंदिर सहित सभी जिनालयों में जैन धर्म के बाईसवें तीर्थंकर नेमीनाथ भगवान का गर्भ कल्याणक महोत्सव हर्षोल्लास से मनाया गया। कार्यक्रम में जैन महासभा के प्रतिनिधि राजाबाबू गोधा ने शिरकत करते हुए कहा कि कस्बे के बीचला मंदिर पार्श्वनाथ जिनालय में आज प्रातः श्री जी का अभिषेक,शांतिधारा, अष्टद्रव्यों से पूजा-अर्चना करने के बाद चोबीस तीर्थंकरों, पंचपरमेष्ठी, नवदेवताओं एवं पूर्वाचार्यों कि पूजा अर्चना कर सुख समृद्धि एवं खुशहाली की कामना की गई तथा कार्यक्रम में सामूहिक रूप से श्रीजी की महाशांति धारा की गई तथा जैन धर्म के बाईसवें तीर्थंकर नेमीनाथ भगवान का जयकारों के साथ भक्ति भाव से गर्भ कल्याणक का अर्घ्य अर्पित कर विश्व में सुख समृद्धि एवं खुशहाली की कामना की गई। कार्यक्रम में पंडित संतोष बजाज,सुरेंद्र चौधरी, रमेश चोधरी, विमल कलवाडा,कमलेश चोधरी, विरेन्द्र नला, राजेंद्र चौधरी, विमल चौधरी,प्रिंस चौधरी, अरिहंत चौधरी,तथा राजाबाबू गोधा, सहित संतरा चोधरी, गुणमाला चोधरी, सुनिता चौधरी, मंजू चौधरी,संजू चोधरी, ईलायची मोदी,विश्वलता चोधरी, केलासी चोधरी, तथा शशि चोधरी सहित सभी श्रावक श्राविकाएं मोजूद थे।

नूतन वेदी में विराजे भगवान

श्रीमद् जिनेन्द्र महार्चना भव्य वेदी प्रतिष्ठा महोत्सव का हुआ भव्य समापन

सीकर. शाबाश इंडिया। सीकर जिले के दूधवा ग्राम में चल रहे तीन दिवसीय ''श्रीमद् जिनेन्द्र महार्चना भव्य वेदी प्रतिष्ठा महोत्सव'' का गुरुवार को भक्तिभाव से समापन हुआ। प्रसारण प्रभारी विवेक पाटोदी ने बताया कि महोत्सव के अंतिम दिन प्रातः नित्य अभिषेक शांतिधारा पूजन पश्चात विश्व शांति हेतु महायज्ञ के साथ ही हवन में पूणार्हुति दी गई एवं शांतिपाठ हुआ। आयोजन समिति के अध्यक्ष अनिल छाबड़ा व महामंत्री पंकज छाबड़ा ने बताया कि इसके पश्चात नवनिर्मित मंदिर में मूलनायक आदिनाथ भगवान एवं समस्त जिन प्रतिमाओं को श्रद्धा पूर्वक भक्ति करते हुए शोभायात्रा द्वारा नवनिर्मित मंदिर लाया गया। समस्त जिन प्रतिमाओं को प्रतिष्ठाचार्य डॉ. सनत कुमार शास्त्री एवं सह प्रतिष्ठाचार्य आशीष जैन शास्त्री के मार्गदर्शन में नूतन वेदी में विराजित किया गया, इस दौरान संपूर्ण मंदिर परिसर आदिनाथ भगवान के जयकारों से गूंज उठा। सभी के नयन भगवान की प्रतिमा को निहार रहे थे। नूतन मूलवेदी निर्माण का पुण्यार्जन राजमल, शांति कुमार अनिल कुमार प्रकाशचंद छाबड़ा परिवार को प्राप्त हुआ। आयोजन समिति के ताराचंद छाबड़ा व संजय छाबड़ा ने बताया कि मूलनायक आदिनाथ भगवान को अपने मूल स्थान नूतन वेदी पर विराजमान करने का सौभाग्य मोहनी देवी भंवरलाल छाबड़ा दूधवा वाले परिवार गुवाहाटी,डीमापुर,जयपुर को प्राप्त हुआ ।इसके पश्चात सभी जिन प्रतिमाओं को नूतन वेदी पर विराजमान होने के पश्चात मंदिर में महा आरती एवं सांयकाल 48 दीपकों से भक्तामर पाठ का आयोजन हुआ।

भगवान महावीर के अनुयायी वर्तमान की परिस्थितियों में सामूहिक सहअस्तित्व की भावना को समझें

जनगणना में जाति के कालम में जैन लिखें

कलम मौन सबकी जबान पर ताले
क्यो नही अपने अधिकार पर बोले

जयपुर. शाबाश इंडिया। वर्तमान में जैन समाज को कुछ स्वार्थी तत्वों ने दोराहे पर खड़ा कर दिया है। एक तरफ समाज की प्रगति व समृद्धि के लिए समाज की एकता की बात की जा रही है और दूसरी और कुछ करने से पहले ही एकता को समाप्त करने का स्वार्थी तत्वो द्वारा षड्यंत्र के साथ प्रयास किया जा रहा है। एक तरफ एकता के लिए महावीर के सच्चे अनुयायी जुड़ रहे हैं दूसरी तरफ कुछ संस्थाओं द्वारा भगवान महावीर के जीवन चरित्र को तोड़ मरोड़ कर प्रस्तुत किया जा रहा है और राज्य सरकारों के शिक्षा विभाग के साथ मिलकर प्रतियोगिताओ का आयोजन किया जा रहा है। यह अलग बात है कि इस पर कड़ी आपत्तिया दर्ज कराई जा चुकी है और प्रतियोगिता स्थगित हो कर सर्व मान्य तथ्यों के आधार पर आयोजित हो ऐसे प्रयास किए जा रहे है। जब तक यह सब ना हो तब तक एकता के प्रयास की सफलता संदिग्ध लगती है। इधर एक संत एक अलग ही पुस्तक का प्रकाशन कर रहे हैं जिसमें दिगम्बर व दिगम्बत्व पर ही सवाल उठा कर लगता है स्वयं की प्रसिद्धि के लिए यह सब किया जा रहा है। न्यायालय अधीन वाद पर विवाद उत्पन्न करने का प्रयास किया जा रहा है जो कि सरासर गलत और किसी भी सूरत में स्वीकार्य नहीं है। एकता की बातो से पूर्व इन सब बातों पर मंथन होना अति आवश्यक है आखिरकार ऐसा कुचक्र क्यों रचा जा रहा है तथा किस उद्देश्य को लेकर किया जा रहा है। दिगंबरत्व और दिगंबर समाज के सभी पक्ष शायद इन सबसे अनभिज्ञ है। संतो के द्वारा गलत भ्रामक जानकारी उपलब्ध कराई जा रही है और समाज जनों को बहकाया जा रहा है। समाज जन आज के प्रचलित नारे ''बँटोगे तो कटोगे'' को समझ नहीं पा रहे है केवल और केवल आपसी मतभेद बढ़ाने का कार्य किया जा रहा है। प्रजातन्त्र में आवश्यकता है संख्या / गणना की और यह होगा जब सब मिल कर जनगणना में जाति के कालम में जैन लिखने का सामूहिक प्रचार प्रसार करें। सन्त, पंथ, क्षेत्र व वर्ण वाद से मुक्त देव-शास्त्र-गुरु भक्त जनों की संस्था अखिल भारतवर्षीय धर्म जागृति संस्थान राजस्थान ऋषभदेव के सच्चे अनुयायियों को आह्वान करता है कि अनेकान्तवाद व सहअस्तित्व की भावना के साथ इन सब पर मंथन चिंतन मनन कर कुछ महत्वपूर्ण और ठोस हल निकलने चाहिए।

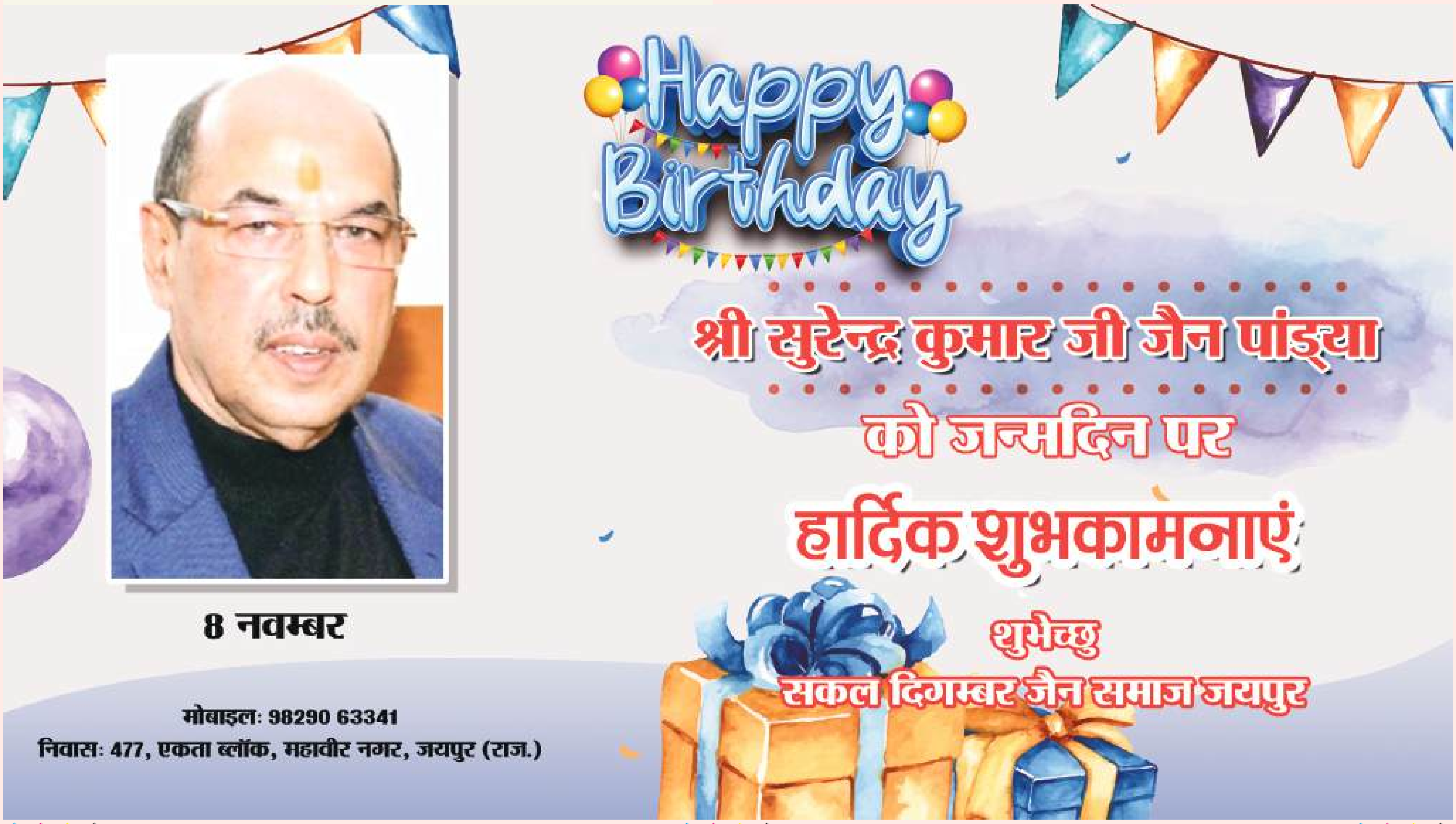

एनएमएसीसी में पहली बार मंचित होगा विश्व प्रसिद्ध 'द फैंटम ऑफ द ओपेरा'

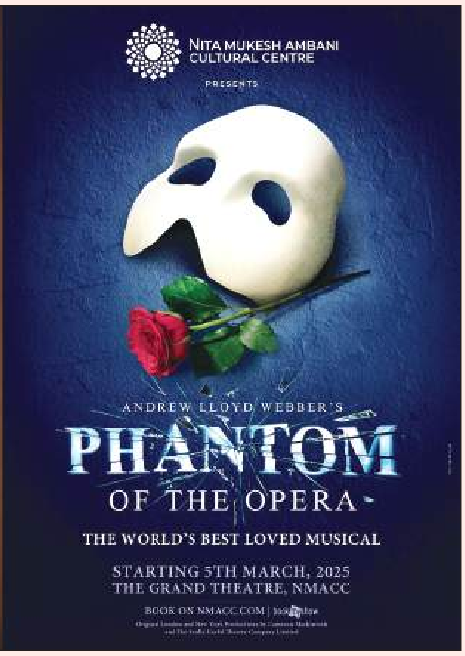

5 मार्च 2025 से ग्रैंड थिएटर में दर्शक देख सकेंगे यह आइकॉनिक प्रेम कहानी

मुंबई. शाबाश इंडिया

विश्व प्रसिद्ध संगीत नाटक 'द फैंटम ऑफ द ओपेरा' का मंचन पहली बार मुंबई के नीता मुकेश अंबानी सांस्कृतिक केंद्र (एनएमएसीसी) में होगा। यह मंचन 5 मार्च 2025 से ग्रैंड थिएटर में शुरू होगा। एनएमएसीसी ने अब तक 'द साउंड ऑफ म्यूजिक', 'मामा मिया', 'लाइफ ऑफ पाई' जैसे अंतरराष्ट्रीय शोज का मंचन कर अपनी खास पहचान बनाई है। अब यह केंद्र 'द फैंटम ऑफ द ओपेरा' जैसी विश्व-प्रसिद्ध प्रेम कहानी को भारत में ला रहा है। एनएमएसीसी की संस्थापक और अध्यक्ष नीता अंबानी ने कहा, एनएमएसीसी की स्थापना का हमारा सपना यही था कि भारत और दुनिया की श्रेष्ठतम कला को एक ही मंच पर लाकर दर्शकों के सामने प्रस्तुत किया जाए। 'द फैंटम ऑफ द ओपेरा' का प्रदर्शन हमारी इस सोच को और सशक्त बनाएगा। यह प्रेम और जुनून की अमर कहानी है, जो हर पीढ़ी को छूती है ह्व यह नाटक फ्रांसीसी लेखक गैस्टन लेरौक्स के उपन्यास पर आधारित है।

अन्तर्मना आचार्य प्रसन्न सागरजी महाराज के प्रवचन से...

कुलचाराम, हैदराबाद. शाबाश इंडिया

पैसा और मजाक सोच समझ कर उड़ाना चाहिए.. ! माना कि पैसे कमाने के हजारों मार्ग है और साधु सन्तों के पास तीन मार्ग पैसा बटोरने के - मन्दिर, मूर्ति और पूजा विधान, शान्तिधारा, शेष उन्मार्ग है। पैसा कमाने का उद्देश्य गलत नहीं है लेकिन ज्यादातर साधु सन्त अपने उद्देश्य से भटक जाते हैं, अपनी विस्तार वादी नियत और नीति के कारण। जैसे अमृत निकालने के लिये समुद्र मन्थन किया, 14 रत्न निकले। लोग अमृत को भूल गये, केवल लक्ष्मी पर टिक गये। हम साधु सन्त भी अपने लक्ष्य को भूल कर लक्ष्मी पर अटक गये और यह भटकाव अच्छे उद्देश्य को भी खराब बना देता है। यदि पुण्य के खजाने को किफायत से खर्च ना किया जाये तो बड़े से बड़ा खजाना भी खाली हो जाता है। कहने का मतलब है आवश्यक व्यय में कमी ना लाये, ना कृपण बने लेकिन पुण्य के अपव्यय से बचें। मितव्ययिता के मन्त्र को अपनायें, यानि सदुपयोग करें। भारतीय संस्कृति में मितव्ययिता को सम्मान मिला है। जैन दर्शन या जैन संस्कृति की अवधारणा है कि कम से कम वस्तुओं में जीना सीखें, वस्तुएं उतनी ही लेनी चाहिए जितनी आवश्यक हो। यही कल्याणकारी अर्थ शास्त्र की परिभाषा और जीवन जीने का तरीका है। अन्यथा इस जीवन में जर, जोरू और जमीन से, कभी तृप्ति मिलने वाली नहीं है। इसलिए आडम्बर मुक्त होकर सरल साधु का जीवन जीयें। सादगी, संयम और परोपकार को आत्मसात करें। मितव्ययिता एक संस्कार है जो सबके भीतर होना चाहिए। माता-पिता, धर्म गुरूओं को चाहिए कि वो भी मितव्ययी बने और नई युवा पीढ़ी में मितव्ययी का संस्कार विकसित करें,, जिससे हम भौतिक संसाधनों की चकाचौंध से बच सकें।

-नरेंद्र अजमेरा, पियुष कासलीवाल औरंगाबाद।

यही चाहूँ तुमसे, मोरी छठ मैया

यही चाहूँ तुमसे, मोरी छठ मैया।
देना सबको खुशियां, मोरी छठ मैया।।
ममता सभी पर, तू छठ मैया रखना।
रखना सुखी सबको, मोरी छठ मैया।।
यही चाहूँ तुमसे---------------------।।
ब्रह्मा की बेटी तू , सूरज की है बहिना।
धन- धान्य से तू , आबाद सबको रखना।।
सबकी खुशहाली की, तुमसे है प्रार्थना।
भरना गोद सब नारी की, मोरी छठ मैया।।
यही चाहूँ तुमसे---------------------।।
तुझमें है मैया, सबकी गहरी आस्था।
रखना बनाये तू , सबका मैया रिश्ता।।
सम्पन्न, निरोगी हो, जीवन सभी का।
निर्मल बनाना सबको, मोरी छठ मैया।।
यही चाहूँ तुमसे---------------------।।
खरना, ठेकुआ का, भोग लगायें तुमको।
माता सीता- द्रोपदी ने, पूजा है तुमको।।
मनोकामना सभी की, पूरी तू करना।
प्रेम- शान्ति वतन में, रखना छठ मैया।।
यही चाहूँ तुमसे---------------------।।

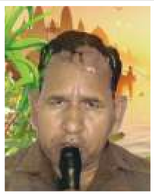

गुरुदीन वर्मा उर्फ जी.आजाद, शिक्षक एवं साहित्यकार

आपके विचार

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक राकेश जैन गोदिका द्वारा प्रकाशित दैनिक-ईपेपर 'शाबाश इंडिया' आम पाठक और समाज में जागरूकता फैलाने में सेतू का काम कर रहा है। आप अपने क्षेत्र के समाचार, आलेख, विचार आदि ई-मेल कर सकते हैं या निम्न नंबरों पर वाट्सअप कर सकते हैं।

सम्पादक: राकेश जैन गोदिका
@ 94140 78380, 92140 78380

दैनिक ई-पेपर
शाबाश इंडिया
shabaasindia@gmail.com
weeklyshabaas@gmail.com

शालीमार एन्क्लेव जैन मंदिर में शुरू हुआ नौ दिवसीय श्री सिद्धचक्र महामंडल विधान

आगरा. शाबाश इंडिया

समाधिस्थ आचार्यश्री विद्यासागर जी महाराज, समाधिस्थ पष्ठपटचार्यश्री ज्ञानसागर जी महाराज के मंगल आशीर्वाद से 7 से 15 नवम्बर के मध्य नौ दिवसीय श्री सिद्धचक्र महामण्डल विधान का आयोजन किया गया है। विधान की शुरूआत मेडिटेशन गुरु उपाध्यायश्री विहसंतसागर जी महाराज ससंघ के मंगल सानिध्य में आगरा के कमला नगर स्थित शालीमार एन्क्लेव के श्री पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन मन्दिर में 7 नवम्बर को भव्य रथयात्रा एवं घटयात्रा के साथ हुई। जिसमें भक्त श्रीजी की प्रतिमा को रथ पर विराजमान कर शोभायात्रा निकाली। घटयात्रा में महेन्द्र इन्द्र,महायज्ञ नायक सौधर्म इन्द्र,यज्ञ नायक, धनपति कु बेर, ईशान इन्द्र के स्वरुप बग्घियों में सवार होकर चल रहे थे। घटयात्रा शालीमार एन्क्लेव के विभिन्न स्थानों से होती हुई वापस शालीमार एन्क्लेव जैन मन्दिर पहुंची,घटयात्रा के मन्दिर पहुंचने पर विधान का ध्वजारोहण सौभाग्यशाली परिवार द्वारा किया गया। इस अवसर पर अर्पितमय पावन वषायोग समिति के पदाधिकारियों ने 21 नवम्बर को विहसंत सागर पब्लिक स्कू ल के भव्य भूमि शिलान्यास समारोह की पत्रिका का विमोचन किया। इस अवसर पर राजू गोधा,राजकुमार गुड्डू,संजू गोधा, यशपाल जैन,रोहित जैन अंहिसा, अनिल जैन,अंकेश जैन,अंकुश जैन, नरेश जैन,शैलेंद्र जैन रपरिया, मुकेश जैन रपरिया,शुभम जैन,अशोक जैन संतावास,सुमेर पंड्या,अजीत जैन चांदी वाले,आदि के समस्त ग्रेटर कमला नगर जैन समाज के लोग मौजूद रहे।

जैन समाज ने अतिक्रमण विरोध में सम्पूर्ण जैन समाज ने अपना प्रतिष्ठान बंद रखकर विरोध प्रदर्शन किया

जैन समाज ने दुकाने बंद रखकर जताया विरोध। राजपूत समाज को सद्बुद्धि के लिए संत निवास में की पूजा अर्चना, णमोकार महामंत्र पाठ

विमल जोला. शाबाश इंडिया

निवाई। दिगम्बर जैन नसिंया मंदिर परिसर स्थित पार्श्वनाथ उद्यान में चल रहे विवाद के मामले में बुधवार को सकल दिगंबर जैन समाज ने अपने सम्पूर्ण प्रतिष्ठान बंद रखकर विरोध जताया और जैन नसियां मंदिर में पूजा अर्चना की। निवाई शहर में प्रकरण को लेकर दिगम्बर जैन समाज के समर्थन में कृषि उपज मंडी निवाई एवं मोबाइल एसोसिएशन एवं सराफा मार्केट ने अपने प्रतिष्ठान बंद रखकर समर्थन किया। उक्त मामले को लेकर पुलिस जाप्ता पूरी तरह मुस्तैदी से शहर में विभिन्न चिन्हित स्थानों पर सुरक्षा के लिए तैनात रहा। इस दौरान राजपूत समाज उपखंड अधिकारी कार्यालय पहुंचा। जहां उपखंड अधिकारी को ज्ञापन सौंपा। उधर सकल दिगंबर जैन समाज के लोगों ने पार्श्वनाथ उद्यान में स्थित संत निवास में जैन समाज के अध्यक्ष नेमीचंद गंगवाल, मंत्री महावीर प्रसाद पराणा, दिगम्बर जैन अग्रवाल समाज अध्यक्ष विष्णु बोहरा कोषाध्यक्ष त्रिलोक सिरस रमेश चंद गिन्दोडी आयल मिल एसोसिएशन अध्यक्ष पारस पहाडी नगरपालिका उपाध्यक्ष जितेंद्र चंवरिया सुशील आरामशीन महेन्द्र चंवरिया विमल गिन्दोडी विमल जौंला संजय सोगानी पारसमल प्रेस सुनील भाणजा अशोक बिलाला शंभु कठमाणा राकेश संधी शिखरचंद काला जितेश गिन्दोडी सत्यनारायण गोयल महेन्द्र कठमाणा जीतू जैन सुशील गिन्दोडी मोहित चंवरिया पवन बोहरा सोभागमल सोगानी विमल सोगानी हेमचंद संधी महेन्द्र लावा अजीत काला विमल बड़ागांव पवन सांवलिया महावीर प्रसाद छाबड़ा विनोद संधी अतुल ठोलिया मनन दतवास नवरत्न टोंग्या अशोक रजवास हेमंत चंवरिया एवं अनेक संगठनों सहित कई लोगों के नेतृत्व में विश्व में शांति की कामना हेतु सुबह से शाम तक लगातार णमोकार मंत्र का जाप एवं भक्तामर अनुष्ठान करते रहे तथा अपने अपने प्रतिष्ठान बंद रखकर विरोध जताया। इस दौरान टोंक जिला प्रमुख सरोज बंसल ने भी समाज को सम्बोधित किया उन्होंने कहा कि जैन समाज हमेशा अहिंसा में विश्वास रखता है जैन समाज हिंसक नहीं है अहिंसक है। जैन समाज के मंत्री महावीरप्रसाद जैन पराणा एवं समाज के मीडिया प्रभारी विमल जौंला एवं राकेश संधी एवं सुनील भाणजा ने बताया कि झिलाय वाले के बाग के नाम से जैन समाज निवाई ने न्यायालय की कुर्की के बाद खुली नीलामी में उक्त परिसर को 50 वर्ष पूर्व खरीदा था। जब से आज तक जैन समाज उस पर काबिज है। इस दौरान अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक बृजेंद्र सिंह भाटी, डीवाईएसपी मृत्युंजय मिश्रा,

उनियारा पुलिस उपाधीक्षक रघुवीर सिंह भाटी तथा थानाधिकारी हरिराम वर्मा, सदर थानाधिकारी जयमलसिंह, बरोनी दत्तवास कालूराम मीणा डिग्गी, पीपलू टोंक सदर के थानाधिकारी सहित भारी पुलिस जाप्ता तैनात रहा। इस दौरान बुधवार को जैन समाज का सहभोज नसिंया जैन मंदिर परिसर एवं पार्श्वनाथ उधान में स्थित वर्षों पहले बने हुए डोम में हुआ।

छठ महापर्व को लेकर महिलाओं ने डूबते सूर्य को दिया अर्घ्य

रात्रि को आयोजित किया जाएगा विशाल जागरण, प्रसिद्ध भजन गायक लेंगे भाग

रमेश भार्गव. शाबाश इंडिया

ऐलनाबाद। ऐलनाबाद में पूर्वांचल के लोगों द्वारा छठ महापर्व पर्व बड़े ही धूमधाम से मनाया जा रहा है। आज शाम को एफसीआई गोदाम के पास नहर के पानी में खड़े होकर सैकड़ों महिलाओं ने डूबते सूर्य देवता को अर्घ्य दिया। इससे पूर्व बीते दिवस नहर की साफ सफाई की गई थी। वहीं नहरी विभाग ने छठ पर्व को देखते हुए विशेष तौर पर नहरों में पानी छोड़ा गया था। पूर्वांचल के लोगों का यह चार दिवसीय लोक आस्था का महापर्व छठ पहले दिन नहाए-खाए के साथ शुरू होता है। छठ महापर्व को शुद्धता के लिए जाना जाता है। वैसे तो इस महापर्व में अधिकतर घरेलू सामान का ही उपयोग किया जाता है लेकिन कुछ वस्तुएं ऐसी होती हैं, जिसकी बाजार में खरीदारी होती है। इसमें फल से लेकर सूप और दउरा तक शामिल हैं। हालांकि, शहरी इलाकों में बाकी उपयोगी चीजों की भी खरीदारी होती है। ऐलनाबाद में एफसीआई गोदाम के पास नहर किनारे व नहर की पर्व को लेकर विशेष रूप से साफ सफाई की गई थी। इस बार पांच नवम्बर से नहाय खाय किया गया है। छठ पूजा के दूसरे दिन खरना पुजा की गई। इस दिन महिलाएं नए मिट्टी के चूल्हे पर खीर बनाती हैं। इसके बाद उसे भोग लगाया जाता है। समिति के प्रवक्ता दीपक चायवाला ने बताया कि कार्यक्रम में आज छठ महापर्व बड़े ही धूमधाम से मनाया जा रहा है और आज रात्रि को नहर किनारे छठ माता का भव्य जागरण भी आयोजित किया जाएगा। जागरण में कई प्रसिद्ध भजन गायक भाग लेंगे और छठ मईया का सुंदर भजनों से गुणगान करेंगे। उन्होंने बताया कि अगले दिन यानी शुक्रवार को उगते सूर्य को अर्घ्य दिया जाएगा।

एक ऐसे दिगंबर जैन संत जो शंका का समाधान कर नई पहचान लिए हुए हैं...

आचार्य श्री विद्यासागर महाराज के परम प्रभावक शिष्यों की एक लम्बी श्रृंखला में इतने अनमोल रत्नों को गुरुदेव ने तराशा हुआ है। उन्हें धर्म के मार्ग से जोड़ कर समाजिक व राष्ट्रीय दायित्व को निभाने की जो प्रेरणा आचार्य श्री ने दी थी । वह अहिंसा पंथ पर चलकर जैन धर्म की नींव को मजबूत करने के लिए बहुत ही प्रभावी है ।ऐसे ही परम प्रभावक शिष्य प्रखर वक्ता शंका का समाधान कर के एक नई पहचान लिए हुए दिंगबर जैन मुनि श्री प्रमाण सागर जी महाराज ससंघ अहिल्या धरा इन्दौर में संस्कृति की अमूल्य धरोहर व अध्यात्म उर्जा को जागृत करने के लिए चातुर्मास करने जा रहे हैं। हजारीबाग झारखंड जहां जन्म लेकर पिता जी सुरेन्द्र कुमार जैन व माता सोहनी देवी के घर में जन्मे यहां ऊर्जा का स्तोत्र बालक नवीन संसारी माया मोह में नहीं बंध सका। तभी तो राजनांदगांव छत्तीसगढ़ में आप को वेराग्य भाव उत्पन्न हुआ। सिध्द क्षेत्र आहार जी टीकमगढ़ में क्षुल्लक दीक्षा उसके बाद ऐलक दीक्षा 1987मे धुवैन जी उसके बाद 1988 में सिध्द क्षेत्र सोनागिरी दतिया मध्यप्रदेश में मुनि दीक्षा ली। मुनि श्री प्रमाणसागर जी गंभीर चिंतन के साथ सहज व सरलता के प्रतिक है। वह लाखों करोड़ों भक्तों के लिए सच्चे मार्ग दर्शक है तभी तो शंका -समाधान के मध्यम से दुख तकलीफ विसंगतियों को दूर करने के लिए धर्म के दिखाए गए पवित्र व सच्चे मार्ग पर चलने की सलाह देते वह दिगंबर जैन मुनि जो भव भव से भटक रहे प्राणियों के लिए समाधान के प्रेरणास्रोत हैं। हम सभी गुरु भक्तों ने देखा की मुनि श्री प्रमाण सागर जी महाराज ने कोरोना काल में जब सभी लोग भयभीत थे तब भावना

योग आदि कई प्रकार की साधना से समाजिक जन जागरण के सेतू बनने का काम आप ने किया। संत महात्मा हमेशा से धर्म जागरण के साथ साथ समाज व राष्ट्र के प्रति अपनें वात्सल्य को बढ़ते हैं। तभी तो गंभीर संकट की घड़ी में मुनि श्री प्रमाण सागर जी ने टेलीविजन व अन्य सोशल नेटवर्किंग साइट के मध्यम से ईश्वर की भक्ति में लोगों को लगाया था। उनके शंका समाधान कार्यक्रम की लोकप्रियता के कई आयामों को छु लिया है । विधा गुरु की छत्रछाया में उस मजबूत नींव की यह इमारत भगवान आदिनाथ से महावीर तक के जीवन से प्रेरणा लेकर बुलंदी को छु रही है। तभी तो राजस्थान में सल्लेखना / संथारा को न्यायालय आत्महत्या मान रहा था न्यायालय ने रोक लगाने की बात कहीं तों मुनि श्री प्रमाण सागर जी महाराज ने इस विषय पर बड़ा आंदोलन 2015 में छेड़ा उन्होंने बताया की सल्लेखना संथारा जैसे जैन साधना के प्रमुख अंग है। एक साथ एक ही दिन पूरे भारत में इसे आत्महत्या मनाने वालों के खिलाफ मौन प्रदर्शन किया था। उन्होंने बताया था कि सल्लेखना आत्महत्या नहीं यह मृत्यु के अवश्यंभावी हों जाने की स्थिति में जैन साधना द्वारा साधना प्रद्धति है। मुनि श्री प्रमाण सागर जी 30 वर्षों से आचार्य विद्यासागर महाराज जी के संघ में अन्य साधुओं के साथ विहार करते आ रहे हैं। निरंतर

अपने ज्ञान ध्यान और तप के प्रति पूर्ण सजग और समर्पित है। आप हिन्दी संस्कृत और प्राकृत भाषा के मूर्धन्य मनीषी है। अंग्रेजी भाषा पर आपका अच्छा अधिकार है मुनि प्रमाण सागर जी दिगंबर जैन साधु है जिन्होंने णमोकार महामंत्र का 1 करोड़ बार जप करने का कार्यक्रम आयोजित किया था। शरीर को स्वस्थ मन को शीतल ओर आत्मा कों शुद्ध बनाने के लिए विचार वस्तु बन जाता है। प्राचीन भारतीय उक्ति को आधुनिक रूप में पुनर्परिभाषित करके भावना यज्ञ भी विकसित किया। यह बहुत ही बड़ी बात है कम समय में भगवान की साधना से मनुष्य को अपने अन्तर आत्मा में लीन कर लेना बहुत बड़ी साधना है। गुणायतन सोपानों को प्रौढ़ चिंतन परिकल्पना को जीवन्त प्रमाण है। सम्मेद शिखरजी की तलहटी में में निमार्णाधीन ज्ञान मंदिर बन रहा है। मधुवन शिखर जी में श्री सेवायतन मानव कल्याण व दयोदय महासंघ गौ संरक्षण कार्य कर रहा है। ऐसे पूज्यनीय व जिनवाणी की साधना में लीन अपने गुरु के बताए मार्ग पर चलकर मां अहिल्या की पुण्य भुमि पर इन्दौर में आप का चातुर्मास इन्दौर के मोहता भवन बास्केटबॉल स्टेडियम के पास जंजीर वाला चौराहे पर सफलता पूर्वक सम्पन्न हुआ। आप अभी इन्दौर में ही विराजमान हैं।।जिस प्रकार से सूर्य की किरणों से जगत का अंधकार मिट जाता है सिध्दांतों में छुपे वैज्ञानिक तथ्यों को अपनी सरल भाषा हिंदी में सभी का मार्गदर्शन कर रहे ऐसे परम प्रभावक पुज्य संत का इन्दौर में चातुर्मास सम्पन्न हुआ जो सदियों तक जाना जाता रहेगा ।वहीं अभी अष्टानिका महापर्व पर 108 श्री सिद्धचक्र महामंडल विधान एवं रथावर्तन महोत्सव शुरू हो गया यह कार्यक्रम भी जैन धर्म के इतिहास में सबसे भव्य आयोजन मुनि श्री के ससंघ नेतृत्व में धर्म के ज्ञान की गुरु जी के नाम की ज्योत प्रज्वलित हो रही है । हम सभी का अंधकार मिटता जा रहा है। ऐसे साधक परम पूज्य संत भावना योग के प्रखर प्रभावक मुनि प्रमाणसागर महाराज जी के चरणों में नमोस्तु गुरु देव बारम्बार नमोस्तु।

हरिहर सिंह चौहानः स्वतंत्र लेखक